[Conference-Composition of Colours :December,2014] ISSN- 2350-0530
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v2.i3SE.2014.3642

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

वैष्वीकरण का चित्रकला पर प्रभाव

डॉ. अर्चना षर्मा
प्राध्यापक 'अर्थषास्त्र'
शा. महारानी लक्ष्मीबाई कन्या, स्नातकोत्तर महाविद्यालय इंदौर

प्रस्तावना

किसी भी देष के विकास में कला का महत्वपुर्ण योगदान होता है। कला को सोन्दर्य अथवा समृद्वि को साकार करने का माध्यम माना गया है। वास्तुकला, मूर्ति कला, चित्रकला तथा संगीत को ललित कला के अन्तर्गत माना गया है। चित्रकला हो या कविता दोनो ही मनुष्य की आंतरिक भावनाओं को व्यक्त करने का एक माध्यम है। चित्रकला में आज ऐसा संभव है कि रंग का अर्थ न निकले फिर भी वह सीधे मन तक पहुॅच कर रसानुभूति करा सकता है। कला को सत्य की अनुभूति की अनुक्रति कहा गया है। चित्रो में रूपो के संयोजन से नेत्रो को तृप्ति मिलती है। आंखो के माध्यम से दर्षक के मन में विभिन्न भावो से रसोद्रेक होता है।

भारतीय कला बाजार

वैष्वीकरण का भारतीय चित्रकला पर महत्वपूर्ण प्रभाव पडा है। एक दषक पूर्व भारतीय पेंटिंग्स का बाजार मूल्य 50 करोड के आसपास था, जो 2007 में बढकर 2,000 करोड रू. का हो गया। इसके पश्चात कुछ वर्षो तक इसमें मंदी का असर दिखाई पडा। सन् 2013 में यह बाजार पुनः बढकर 1200 करोड का हो गया। निम्न सारणी में भारतीय चित्र कला की वर्षकार बाजार कीमत दर्षायी गई है।

वर्ष	पेंटिंग्स की बाजार कीमत (करोड़ रू)
2005	1000
2006	1500
2007	2000
2008	940
2009	450
2010	500
2011	650
2012	950
2013	1200

चित्र कला के खरीदकार

हमारे देष में हर वर्ष करोड़ो रू.के मूल्य की पेंटिंग्स का विक्रय होता है।
इस पेंटिंग्स को दुनिया भर में सराहा गया है। 2013 भारत में निर्मित पेंटिंग्स में 46: भारतीयो द्वारा में खरीदी गई, अनिवासी भारतीयों द्वारा 36: व गैर भारतीयों द्वारा 18: पेंटिंग्स खरीदी गई।

पैंटिंग्स के खरीददार	प्रतिषत
भारतीय	46:
अनिवासी भारतीय	36:
गैर भारतीय	18:
कुल	100:

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

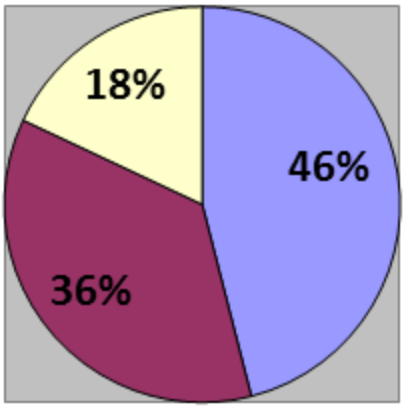

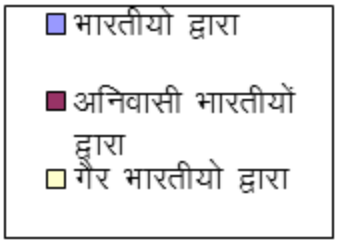

2013 में सर्वाधिक मूल्य पर बेची गई पेंटिंग्स (षीर्ष पांच कलाकार की कृतिया)

कलाकार	पेंटिंग्स का मूल्य US$	
1. एम.एफ.हुसैन	10,312,925	US$
2. वी.एस.गैटोन्डे	9,995,739	US$
3. एस.एच.राजा	9,333,821	US$
4. एफ.एन. साउजा	5,947,596	US$
5. तैयब मेहता	5,510,488	US$

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है, कि चित्रकला के क्षेत्र में पेंटिंग्स की कीमत अमूल्य है। इन शीर्ष कलाकारो में से तीन भारतीय कलाकार है। वी.एस.गैटोन्डे जिनकी पेंटिंग 2014 में विक्रय हुई, जिसका मूल्य 23,70,25,000/– लगाया गया। दूसरे भारतीय कलाकार जिनकी पेंटिंग 2014 में 19,78,25,000/– में विकृय की गई। तीसरे क्रम में एस. एच. रज़ा है, जिनकी 2014 में पेंटिंग की बोली 16,51,34,000/– में लगाई गई। सच्ची कला हरेक काल, देष तथा समाज में पूजित व प्रषंसित होती है।

आज यदि कला के प्रयोजन पर 21वीं सदी के नए माहौल में चर्चा करें तो देष–विदेष के महान विद्वानो की परिभाषाओं पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। अब स्थितियॉ इतनी बदल गई है कि एक केनवास किसी भी कलाकार को आसानी से करोड़पति बना सकता है। शायद किसी ने भी यह कल्पना नही की होगी कि 2007 से कला के संग्राहको द्वारा कलाजगत में रियल स्टेट की तरह उघोगपतियों द्वारा पुंजी निवेष की जाने लगेगी। संभव है कि रियल स्टेट के मूल्यो में उतार–चढाव होता रहे, लेकिन कला के मूल्यो का अंदाजा लगाना संभव नही है। स्वंय कलाकारों को भी पता नही होता कि उसके चित्रो को करोड़ो रू. मिल सकते है। वैष्वीकरण के युग मे कला के क्षैत्र में असीम संभावनाए दिखाई दे रही है। जिसने हमारी युवा पीड़ी के लिए न केवल सम्मान वरन धनोपार्जन के असीमीत अवसर है।

संदर्भ ग्रंथ

1. कला और कलम – डॉ. गिरीज किषोर अग्रवाल
2. भारत की चित्रकला का संक्षिप्त इतिहास– डॉ. लोकेन्द्रचन्द्र वर्मा
3. कला प्रसंग– रामचन्द्र षुक्ल
4. भारतीय कला वैभव– डॉ. दीप्तिमाल, डॉ.रीता सिंह
5- A Brief history of Indian Painting- L.C. Sharma
6. दैनिक भास्कर दिनांक– 16/11/14
7- www.barnesandnoble.com
8. www.pbs.org/